सुनील दत्तात्रय राणे:

शिक्षाविद, राजनीतिज्ञ और देशभक्त सामाजिक कार्यकर्ता

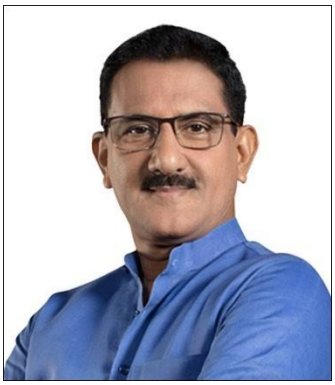

सुनील राणे का जन्म ३ सितंबर, १९६३ को मुंबई में हुआ। चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए कड़ी मेहनत और साहस का मंत्र उन्होंने बचपन से ही आत्मसात कर लिया है। ग्रॅजुएट स्तर की पढ़ाई के बाद, वह भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल हो गए और उन खिलाड़ियों के साथ खेले जो विश्व क्रिकेट के दिग्गज माने जाते हैं। वह नैरोबी, लंदन क्रिकेट टीम, कांगा लीग और काउंटी क्रिकेट जैसे अंतरराष्ट्रीय खेलों के सदस्य भी रहे हैं।

भारतीय शिक्षा प्रणाली न केवल भारत में बल्कि विश्व में भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। अथर्व एजुकेशनल इंस्टीट्यूट की स्थापना वर्ष १९९८ में एक विश्व स्तरीय शैक्षिक वातावरण बनाने के उद्देश्य से की गई थी, जो छात्रों के बीच पेशेवर क्षमताओं के विकास को बढ़ावा देता है और उनकी जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों की भावना को मजबूत करता है। अथर्व कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की शुरुआत कई कठिन चुनौतियों का सामना करने के बाद एक ऐसे शैक्षणिक संस्थान को विकसित करने के लिए की गई थी जो उत्कृष्ट और नवीन गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करता है और उसी के आधार पर चलता है। A+ नॅक नामांकित अथर्व कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के परिसर में छात्रों को कारखानों में नवीनतम स्वचालन प्रौद्योगिकियों में पूर्ण प्रशिक्षित करने के लिए एक कूका रोबोट है। अथर्व भारत में रोबोटिक्स में आधुनिक तकनीकी शिक्षा प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण केंद्र है। इस सुविधा में एक अत्याधुनिक ग्राउंड स्टेशन और ट्रैकिंग सिस्टम भी है। रचनात्मक इंजीनियरिंग डिज़ाइन में नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए एक नया आई-लैब भी विकसित किया गया है।

विभिन्न शिक्षा विकल्पों की खोज करते हुए, सुनील राणेजी ने अथर्व इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बिजनेस स्कूल (एमबीए), इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी, होटल मैनेजमेंट, फैशन एंड आर्ट्स, नाट्य एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स कॉलेज और फिल्म एण्ड टेलीविजन की स्थापना के साथ ललित कला शिक्षा में विविधता आई। साथ ही उन्नत आभासी पर्यावरण मंच के डिजाइन, विकास और परीक्षण के लिए नया AR/VR सेंटर ऑफ एक्सलन्स डिजाईन, डेव्हलपमेंट और टेस्टिंग ऑफ ऍडवान्सड वर्चुअल एन्व्हायर्मेंट प्लॅटफॉर्म छात्रों को उपलब्ध कराया गया। अथर्व ग्रुप जल्द ही धारीवली गांव, मलाड (पश्चिम) में एक सैटेलाइट आईटी पार्क स्थापित करेगा, जो मुंबई में उद्योगों के विकास का केंद्र होगा।

अथर्व फाउंडेशन इंस्टीट्यूट फॉर सोशल वेलफेयर की स्थापना और सफलता के पीछे सुनील राणे का दूरदर्शी नेतृत्व है। अथर्व फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य भारत की महिलाओं, बच्चों और युवाओं को प्रशिक्षित करना है। ग्रामीण इलाकों में लड़कियों को शिक्षा प्रदान करना, शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना, शहीद सैनिकों के परिवारों का कल्याण और महिलाओं का सशक्तिकरण, खिलाडीयों को प्रोत्साहित करना जैसे विभिन्न गतिविधियाँ समय-समय पर कार्यान्वित हैं।

सुनील राणे जी के मार्गदर्शन में, अथर्व फाउंडेशन देश की रक्षा करते समय अदम्य साहस दिखाने वाले वीर सैनिकों की वीरता और उनके बलिदान को याद करने के लिए देश का सबसे बड़ा कार्यक्रम 'वन

फॉर ऑल, ऑल फॉर वन' आयोजित करतें है। शहीद सैनिकों की बेटीयों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए लैपटॉप और अन्य शैक्षणिक सामग्री की सहायता दी जाती है।

रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए पर्यटन के माध्यम से देश तथा विदेशी पर्यटकों को उच्चतम स्तर की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से कोंकण के रत्नागिरी में गणपतिपुले के पास "ब्लू ओशन रिसॉर्ट एंड स्पा" शुरू किया गया। सुनील राणे की दूरदर्शिता से यह प्रोजेक्ट विकसित किया गया, जो प्रकृति को किसी भी प्रकार की बाधा पहुंचाए बिना वन संसाधनों, मिट्टी और प्रकृति की रक्षा करने की सोच के साथ आधुनिक तकनीक की मदद से पर्यावरण से जुड़ा है।

सुनील राणे ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत नब्बे के दशक में महाराष्ट्र के पूर्व तकनीकी और उच्च शिक्षा मंत्री दत्तात्रय राणे के राजनीतिक संघर्ष और प्रदर्शन से प्रभावित होकर की थी। १९९८ में भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र युवा संघ के उपाध्यक्ष, दक्षिण मध्य मुंबई जिला महासचिव, दक्षिण मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष, मुंबई महासचिव रहे। शिवडी और वरली से विधानसभा चुनाव लड़े और २०१९ में बोरीवली विधानसभा से ९५,००० से अधिक वोटों के अंतर से विधायक चुने गए। सुनील राणे के पीछे उनके पिता की योग्यता तो है ही लेकिन उनकी अपनी मेहनत भी अहम है। बहुत ही कम समय में एक सम्मानित व्यक्तित्व के रूप में जनता का नेतृत्व कीया।

उन्होंने २०१९ से २०२४ तक बोरीवली में विधायक के रूप में कार्य किया और कई विकास कार्यों में योगदान दिया। कोविड-१९ के दौरान १०,००० से अधिक नागरिकों का टीकाकरण किया, स्वास्थ्य जांच, उपचार तथा रक्तदान शिविर आयोजित किये। बोरीवली में कई लड़कियों को साइकिल, आईपैड, टैबलेट, लैपटॉप और शैक्षणिक सामग्री के माध्यमसे मदत की गईं। उन्होंने युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और अत्याधुनिक बास्केटबॉल / बॉक्सिंग रिंक / स्केटिंग रिंक / क्रिकेट ग्राउंड / तीरंदाजी / राइफल शूटिंग मैदान का निर्माण करके प्रशिक्षण भी शुरू किया। समय-समय पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पर्याप्त मदद। बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया। साथ ही बोरीवली पुलिस स्टेशन में आधुनिक कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर का वितरण किया गया। सुरक्षा की दृष्टी से सभी आवश्यक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बोरीवली में मैंग्रोव पार्क विकसित किया गया। गोराई मनोरी गांवों में दुरदराज के क्षेत्रों में सड़कों पर सोलर लाइटें लगवाईं, झुग्गी झोपडपट्टी वासियों को सरकार के माध्यम से पक्के मकान उपलब्ध कराए। प्राकृतिक आपदाओं में गोराई मनोरी परिसर में कोली बंधुओं की सहायता की। बोरीवली के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की गईं और जनहित के विकास कार्य किए गए।

इसके अलावा चिल्ड्रेन्स एड सोसाइटी में कार्यकारी अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र सरकार के आवास विभाग द्वारा बीडीडी चाल पुनर्विकास परियोजना के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किए।

महाराष्ट्र राज्य मिल श्रमिक नियंत्रण समिति के अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद उन्होंने मिल श्रमिकों की समस्याओं को जानकर उचित कार्यवाही की और महाराष्ट्र के २००० से अधिक मिल श्रमिकों को

पनवेल के कोन गांव के इमारतों में माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय उप मुख्यमंत्री जी द्वारा आवास आवंटित किये गये। और लंबे समय से लंबित मुद्दे का निपटारा किया।

विधानसभा सत्र में उपस्थित होकर स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक विकास, पर्यावरण एवं अतिक्रमण के मुद्दों पर रोचक सुझाव, लक्षवेधी सुचनाएँ तारांकित एवं चर्चा के माध्यमसे प्रश्न, प्रस्तुत किये गये और सरकार को अवगत कराया।